भिलाई
Bhilai

EXPRESSION OF INTEREST

राख एक सार्वभौमिक निर्माण सामग्री! निःशुल्क उपलब्ध ह

¼;g jk[k l;;= d vnj PP-II Dyke e i;kIr ek=k e miyC/k gA½

राख का उपयोग निम्नलिखित कार्यों में किया जा सकता हैः

फ्लाई ऐश के ईंट/ब्लाक/टाइल बनाने में	खदानों की भराई में एवं खदानों की डंप में।
सीमेंट/एसवेस्टस की चादर बनानें में।	बाँध बनाने, भराई तथा भूमि के विकास में।
सड़क निर्माण में।	क्ले एवं राख से ईंट बनाने में।

पारंपरिक ईंटों की तुलना में राख निर्मित ईंटों में बेहतर दबाव सामर्थ्य होता है ये ईंटों में हल्की होती है जिससे कि ढांचे पर कम दबाव पड़ता है। राख निर्मित ईंटों के उपयोग से उपजाऊ मिट्टी का संरक्षक होता है। इसी प्रकार सड़के एवं फ्लाई ओवर के तटबंध संनिर्माण तथा सड़क का निचला आधा बनानें में राख का उपयोग किया जा सकता है।

गढ्ढों के समतलीकरण, भराव एवं तटबंध निर्माण में मिट्टी के बजाय कोयला राख का उपयोग संभव है तथा इसके उपयोग से निम्न लाभ है।

* मिट्टी की अपेक्षा कम घनत्व, दुर्बल/चिकन मिट्टी में भी लाभकारी तथा कम लागत।
* मिट्टी की तुलना में कम प्रतिस्थापन तथा स्थिरता के बाद कालान्तर में नगण्य प्रतिस्थापन।
* तेजी से जल विकास की सुविधा तथा अधिक नमी/वर्षा ऋतु में भी निर्माण संभव।
* प्रबलित तटबंध निर्माण के लिए अनुकुल तथा उपजाऊ मिट्टी संरक्षण।

;g **Pond Ash** yknu ¼**loading**½ d [kp dk l;;= d N ek=k e ogu dj xkA

भारत सरकार के राजपत्र संख्या 2804 नवंबर 03, 2009 के अनुसार कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र के 100 किमी के अर्धव्यास में सभी प्रकार की निर्माण सामग्री में एवं फ्लाई ओवर संनिर्माण में खदानों की भराई एवं ओ. बी. डंप में (50 किमी के अर्धव्यास में) कोयला राख का उपयोग अनिवार्य है।

इच्छुक प्रयोक्ता/व्यक्ति/उद्यमी संपर्क करे
AHS & AU Deptt, NSPCL, Bhilai. Mo No-942534217